

रात बिजुलिया नुरुल उलूम

मदरसा में शपथ ग्रहण सह

सम्मान सभा का आयोजन

रात! प्रखंड के बिजुलिया स्थित मदरसा

नुरुल उलूम में शुक्रवार को शपथ ग्रहण

सह सम्मान सभा का आयोजन किया

गया। चुनाव कमिटी के तत्वान में

आयोजित कार्यक्रम में नव निर्वाचित

रात प्रखंड के अंजुम कमिटी के सदस्यों

को शपथ ग्रहण किया गया। चुनाव का

सफल संचालन अंजुम कमिटी

के सदस्यों

में शुक्रवार को शपथ ग्रहण

करते हुए अंजुम कमिटी

के सदस्यों

में शुक्रवार को शपथ ग्रहण किया

गया। इस श्रेष्ठता में

शुक्रवार को शपथ ग्रहण किया गया।

वकारों ने कहा कि मुख्यमंत्री आज

शिक्षा के क्षेत्र में कामों पैठे हैं,

जरूरत है अनेक सामाजिक

प्रयोग पर देकर समाजिक

किया गया।

वकारों ने कहा कि कामों के बीच में

शिक्षा का अलख जगाने की। जब तक

बच्चों के बीच में शिक्षा का अलख नहीं

जागेगा तब हमारे विकास संघर्ष ही

है। कार्यक्रम की बौतरे मुख्य अधिकारी

रांची जिला जिप अव्यवस्था

निमला बैरेंट्र

भगत, पदमश्री मधु

मंसुरी व विश्व

अधिकारी के रूप में प्रखंड प्रमुख संसीता

देखें, ज्ञामों के केंद्रीय सचिव नंदकिशोर

मेहता जैसूद थे।

मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव ने बालिका स्कूल का किया भ्रमण

ये विद्यालय सर्वोत्तम विद्यालय का मिसाल बनेगा : वंदना दादेल



नवीन मेल संचादाता। रांची

मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना

दादेल ने शनिवार को मुख्यमंत्री

उत्कृष्ट विद्यालय बालिका, बरियातु

का प्रमण किया। इस दौरान उपायुक्त,

रांची राहुल कुमार सिंह, जिला शिक्षा

प्रदायिकारी के बैठकों,

ए.डी.पी.ओ.ओ. कौशल विकास उत्तरित

थे। विद्यालय अग्रणी पर छात्राओं

द्वारा मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना

दादेल का पारंपरिक गीत के साथ

स्वागत किया गया। उन्होंने संवाद्यम

क्षणों के संचालन का अवलोकन

करते हुए छात्राओं से उत्कृष्ट विद्यालय

ने संबंध में बातचीत भी की।

विद्यालय में कक्षा, नव निर्मित भवन,

प्रयोगशाला एवं पुस्तकालय के

अवलोकन के पश्चात वंदना दादेल ने

हाँकी खिलाड़ियों का मुख्यमंत्री बनाने

का सुझाव दिया। उन्होंने पुस्तकालय

में छात्राओं द्वारा ली गई पुस्तकों

को भारी भी अवलोकन किया तथा

प्राचार्य को निर्देश दिया कि ऐसी

व्यवस्था करें कि नवीन भवन के

प्राचार्य को निर्देश दिया जाए।

इसके पश्चात वंदना

दादेल ने उपायुक्त को शपथ

ग्रहण किया गया।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किया जाता है।

निर्वाचित की निम्न कार्डियों का संसोधन निन्दन

प्रकाशन किय

सक्सेस स्टोरी : किसको में महिला सशक्तिकरण की पहचान बनकर उभर रही हैं ललिता उरांव

कभी खाने को थी मोहताज, अब होटल खोलकर घर लोगों को दे रही रोजगार

वर्तमान में ललिता
उरांव को अपने होटल से 3 लेबर, 1 मिस्ट्री को दिये जाने वाले उनके दैनिक वेतन और होटल के प्रतिदिन के खर्च व भुगतान को काटकर, प्रति वर्ष लगभग 1,20,000 रुपये से 1,25,000 रुपये की आमदनी हो जाती है।

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा कभी खाने को मोहताज ललिता उरांव आज अपने प्रखंड किसको में महिला सशक्तिकरण की पहचान बनकर उभर रही है। ललिता उरांव किसको गांव की रहने वाली है। ललिता महिला मंडल से 2015 में जुड़ी।

ललिता का जीवन काफी कष्टमय रहा है। पति का निधन हो जाने के बाद उन्होंने अपना जीवन लकड़ी बेचने से शुरू किया। उनका कहना है कि अपने गांव

किसको से बड़ीचांपी बाजार तक बढ़ अपने सिर पर लकड़ी का गढ़ बैदल लेकर जाया करती थी। उस समर्थन के लिए गढ़ 12 रुपये से लेकर 21 रुपये प्रति बोड़ा बेचा करती थी। उसी से उनके परिवार का खर्च चलता था। कुछ समय तक उन्होंने रेजा-कुली का काम भी किया। कभी-कभी गांव-गांव जाकर वे धान खरीद कर उसे पुः बेचा करती थी। उसी से अपने बच्चे की पढ़ाई भी कराती थी। बच्चे की अपने परिवार का गुजारा करती थी, किन्तु उसमें उनको बहुत

परेशानियों का समान करना पड़ता था। उनका कहना है कि उनके घर में कभी-कभी एक दाम का चावल गढ़ प्रति गड्ढ 12 रुपये से लेकर 21 रुपये प्रति बोड़ा बेचा करती थी। उसी से उनके परिवार का खर्च चलता था। कुछ समय तक उन्होंने रेजा-कुली का काम भी किया। कभी-कभी गांव-गांव जाकर वे धान खरीद कर उसे पुः बेचा करती थी। उसी से अपने बच्चे की पढ़ाई भी प्रति गड्ढ 12 रुपये से लेकर 21 रुपये प्रति बोड़ा बेचने लगी। हॉटेल-दारा बेचकर ही अपने घर का गुजारा करने लगी और उसी से अपने बच्चे की पढ़ाई भी प्रति गड्ढ 12 रुपये से लेकर 21 रुपये प्रति बोड़ा बेचने से शहरी समृद्धि सहायता समृद्धि से पहला

त्रिण 20 हजार रुपये लिया। दूसरी बार बच्चे की पढ़ाई के लिए 30 हजार रुपये का ऋण लिया और समस्या उसको लौटाया।

दाठ बेचने से नहीं मिलता था समान

उनका कहना है कि हॉटेल-दारा बेचने से उनको समाज में ज्यादा सम्मान नहीं मिलता था और बच्चे की पढ़ाई पर असर भी होता था। उसी दौरान उन्होंने 40 हजार रुपये तीव्र ऋण के रूप में लिया। उससे

उन्होंने अपने ही गांव में छोटा-सा हॉटेल खोला, जिससे वह अब अच्छी अपनी भाइ प्राप्त कर रही है। हॉटेल के माध्यम से उन्होंने अपने लिए घर बनाया और बच्चे की पढ़ाई भी पूरी करायी। वर्तमान में ललिता के अपने होटल से 3 लेबर और 1 मिस्ट्री को किये जाने वाले उनके दैनिक वेतन और होटल का प्रतिदिन का खर्च एवं भुगतान को काटकर, प्रति वर्ष लगभग 1,20,000 रुपये से 1,25,000 रुपये की आमदनी हो जाती है।



सदर में दी जा रही थी निशुल्क सेवा, सीएस ने दिया राहत का भरोसा

डायलिसिस सेंटर में 1206 रुपये शुल्क से मरीजों की बढ़ी परेशानी



नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा सदर अस्पताल में 1206 रुपए शुल्क लिए जाने से मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। बता दें कि सदर अस्पताल परिसर में लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुदर्शन भगत और ड्रायरेंड स्टरकर के वित मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने डायलिसिस सेंटर

का दिया था।

यहां मरीजों को निशुल्क डायलिसिस सुविधा दी जा रही थी। इस डायलिसिस सेंटर का संचालन एस्के संजीवीनी प्राइवेट लिमिटेड को लोकता कर रही है। लोहरदगा

का नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

मरीजों से फिलहाल 1206 रुपए भुगतान लिया जा रहा है।

इस पूरे मामले पर सिविल सर्जन डॉ राज मोहन खलखोने ने बताया कि संबंधित अकाउंटर को भुगतान कर अपना इलाज करवाने को मजबूर अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में

मरीज से बढ़ी परेशानी बढ़ गई है।

डीसी की अध्यक्षता में हुयी कंप्रीहेंसिव लाइवलीहूड ऐडेप्शन पाथवे की बैठक

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ. वाघमर प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में शुक्रवार को कंप्रीहेंसिव लाइवलीहूड ऐडेप्शन पाथवे की बैठक हुई। बैठक में संस्था प्रदान द्वारा पंचायत के सहायता से लोहरदगा जिला के सेन्हा, कुड़ा, भण्डरा और गोदावरी तीनों दोनों घरेलू राज्यों के गठन के लिए एक संघर्ष कर रहा है। जिला के सेन्हा, गोदावरी और गोदावरी तीनों दोनों घरेलू राज्यों के लिए एक संघर्ष कर रहा है।

लोहरदगा मेल संवाददाता।

कंप्रीहेंसिव लाइवलीहूड ऐडेप्शन पाथवे की बैठक के लिए एक संघर्ष कर रहा है। जिला के सेन्हा, गोदावरी और गोदावरी तीनों दोनों घरेलू राज्यों के लिए एक संघर्ष कर रहा है।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित अपने खेत में धनरोपणी कार्यहार्द कर रही थी। जिससे वे जारी रखती रही।

बैठक में उप विकास अव्युक्त समीरा एस, जिला कल्याण सुवर्ण उरांव की बैठक के लिए 9:30 बजे घर से थोड़ी दूरी पर स्थित

